BSNL
Connecting India Faster

Press Media Communication Report

-From Public Relations Cell BSNL CO New Delhi

Publication:	पायोनियर	Page No:	13
Place:	नई दिल्ली	Date:	12/7/2018

बीएसएनएल ने शुरू की देश की पहली इंटरनेट टेलीफोन सेवा

25 जुलाई से कंपनी के ग्राहक उसके विंग्स मोबाइल एप से देशभर में किसी भी टेलीफोन नंबर पर कॉल कर सकेंगे

एजेंसी। नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल ने आज देश की पहली इंटरनेट टेलीफोन सेवा पेश करने की घोषणा की। कंपनी की यह सेवा 25 जुलाई से शुरू हो रही हैं।

इससे कंपनी के उपयोक्ताओं को उसकी विंग्स मोबाइल एप से देशभर में किसी भी टेलीफोन नंबर पर कॉल करने की सुविधा मिलेगी। इसके लिए उपयोक्ता को 1,099 रुपए का वार्षिक शुल्क देना होगा। उसके बाद वह बीएसएनएल या किसी अन्य कंपनी के वाई-फाई से देशभर में असीमित कॉल कर सकेंगे।

अभी देश में मोबाइल एप पर कॉल करने की सुविधा किसी विशिष्ट एप के जरिए आपस में ही कर सकते हैं, लेकिन अब एप से किसी भी टेलीफोन नंबर पर कॉल किया जा सकने की सुविधा पहली बार उपलब्ध होगी। इस सेवा का शुभारंभ करते हुए दूरसंचार मंत्री मनोज सिन्हा ने कहा, मौजूदा प्रतिस्पर्धी परिवेश में बीएसएनएल का बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाना एक सराहनीय कार्य है। इंटरनेट टेलीफोन सेवा शुरू करने के लिए मैं बीएसएनएल के प्रबंधन को बधाई देता है। यह सेवा उपयोक्ताओं को बिना सिम के कॉल करने की सुविधा देगी। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अनुपम श्रीवास्तव ने कहा कि इसके लिए पंजीकरण एक - दो दिन में शुरू हो जाएगा और यह सेवा 25 जुलाई से लागू होगी। उन्होंने कहा कि इस सुविधा से विदेश में विंग्स का इस्तेमाल करने वाले लोग भारत में किसी भी नंबर पर कॉल कर सकेंगे। इस एप का दुनियाभर में कहीं भी इंटरनेट के माध्यम से उपयोग कर कॉल की जा सकती है। इस एप को बीएसएनएल द्वारा जारी एक मोबाइल नंबर से जोड़ दिया जाएगा लेकिन कंपनी के विंग्स एप उपयोक्ता के लिए उसे मोबाइल या लैंडलाइन का अलग से कनेक्शन नहीं लेना होगा।

आइडिया-वोडाफोन विलय को मंजूरी, बस कुछ औपचारिकताएं शेषः मनोज सिन्हा

नई दिल्ली। दूरसंचार मंत्री मनोज सिन्हा ने आज कहा कि सरकार ने आइडिया सेल्युलर और वोडाफोन इंडिया के विलय को मंजूरी दे दी है। लेकिन, दूरसंचार क्षेत्र के इस सबसे बड़े विलय सौदे को पूरा करने से पहले कंपनियों को कुछ औपचारिकताएं पूरी करने की जरूरत है।

सिन्हा ने कहा, हम आइडिया - वोडाफोन के विलय को पहले ही मंजूरी दे चुके हैं। इस विलय को पूरा करने से पहले उन्हें (कंपनियों) कुछ औपचारिकताएं हैं जिन्हें पूरा करना है। सरकार की तरफ से पहली बार इस विलय सौदे के बारे में औपचारिक तौर पर पुष्टि की गई है।